2400 करोड़ से अधिक के बड़े प्रोजेक्ट अब धरातल पर उतरने के लिए तैयार

अमर उजाला ब्यूरो

फॉर्च्यून 500 कंपनियों के लिए निवेश प्रोत्साहन नीति का नतीजा

लखनऊ। राज्य सरकार की ओर से लागू की गई एफडीआई, फॉर्च्यून ग्लोबल 500 और फॉर्च्यून इंडिया 500 कंपनी के लिए निवेश प्रोत्साहन नीति का असर सिर्फ एक वर्ष में दिखने लगा है। तीन बड़ी कंपनियां प्रदेश में 2,476.68 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही हैं। गौतमबुद्धनगर में यीडा के तहत भूमि आवंटन के जरिये इन निवेशकों को सहूलियत दी जा रही हैं।

बड़े निवेशकों को आकर्षित करने के लिए फ्रंट-एंड लैंड सब्सिडी, कर रियायतें और लॉजिस्टिक सुविधाओं में सुधार जैसे कदम उठाए गए हैं। उदाहरण के लिए एफडीआई नीति 2023 के तहत पश्चिमांचल क्षेत्र में जमीन की लागत पर 75 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही है। राज्य की इस नीति का प्रभाव विशेष रूप से कुछ बड़े प्रोजेक्ट्स पर देखा जा रहा है, जिनमें पाइन वैली वेंचर प्राइवेट लिमिटेड, हैवेल्स इंडिया लिमिटेड और मिंडा कॉरपोरेशन लिमिटेड बड़े उद्योग की स्थापना करने को तैयार हैं।

पाइन वैली वेंचर प्राइवेट लिमिटेड 1,080.82 करोड़ रुपये का निवेश कर गौतमबुद्ध नगर में 20-25 एकड़ भूमि पर रेडीमेड गारमेंट्स और एक्सेसरीज बनाएगी। इस परियोजना से लाखों यूनिट का उत्पादन हर वर्ष होगा जिससे राज्य में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। हैवेल्स इंडिया लिमिटेड 873.58 करोड़ रुपये से रेफ्रिजरेटर निर्माण के लिए प्रोजेक्ट स्थापित करेगा। यह प्रोजेक्ट सात चरणों में पूरा होगा और इसमें लगभग 1,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। ऐसे ही मिंडा प्राइवेट लिमिटेड भी निवेश करने जा रही है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में अग्रणी यह कंपनी 522.28 करोड़ रुपये का निवेश कर वायरिंग हार्नेस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स का उत्पादन करेगी।

भूमि आवंटन प्रक्रियाओं को पारदर्शी और तेज बनाया गया है। करों में छूट और एसजीएसटी रिफंड जैसी योजनाएं लागू की गई हैं। सिंगल-विंडो क्लियरेंस सिस्टम के जरिए निवेशकों को प्रशासनिक अनुमोदन में सहूलियत मिल रही है। योगी सरकार की नीतियों से न सिर्फ निवेशकों को लाभ हुआ है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं।